

चक्रदेव (चक्र + देव) m. N. pr. eines Kriegers MBh. 2, 621. HARIV. 6626. 6642. fg.

चक्रदार (चक्र + दार) m. N. pr. eines Berges MBh. 12, 12035.

चक्रधनुस् (चक्र + धनु) m. N. pr. eines Rshi MBh. 3, 3795.

चक्रधर (चक्र + धर) 1) adj. subst. ein Rad tragend, Radträger PAÑ-  
KAT. 242, 15. 243, 12. 244, 18. °धार 242, 19. — 2) adj. einen Discus tra-  
gend; m. Bein. Vishṇu's TRIK. 3, 3, 349. H. an. 4, 251. MED. r. 263.  
MRĀKḤ. 76, 13. RAGH. 16, 55. यो व्यतीपायुधि श्रेष्ठमपि चक्रधरं स्वयम्  
MBh. 1, 6237. — 3) adj. im Wagen fahrend(?): वृद्धानां भारततानां स्त्रीणां  
चक्रधरस्य (vgl. eine ähnliche Stelle M. 2, 138. JĀṬ. 1, 117, wo st. dessen  
चक्रिणः gelesen wird) च । ब्राह्मणानां गवां राज्ञां पन्थानं ददते च ये ॥  
MBh. 13, 7570. — 4) adj. subst. der die Gewalt in Händen hat, Herr-  
scher, Weltherrscher, = चक्रिन् H. an. यज्ञे क्रतुभिर्देवास्तथा चक्रधरा  
नृपाः MBh. 3, 8221. स चक्रधरलोकानां सद्शीमासुपाद्रतिम् 12, 8879. HA-  
RIV. 10999. Gouverneur einer Provinz, = ग्रामजालिन् H. an. MED. —  
5) m. Schlange TRIK. H. an. MED. RĪĠA-TAR. 1, 261. — 6) m. N. pr.  
eines Mannes VID. 64. Verz. d. B. H. No. 327.

चक्रधर्मन् (चक्र + धर्म) m. N. pr. des Fürsten der Vidjādhara MBh.  
2, 408.

चक्रनख (चक्र + नख) m. ein best. Parfum (व्याघ्रनख) RĪĠA. im ÇKDr.

चक्रनदी (चक्र + नदी) f. = चक्रणदी gaṇa गिरिनद्यादि zu P. 8, 4, 10,  
Vārtt. N. pr. eines Flusses BHĀG. P. 5, 7, 9.

चक्रनाभि (चक्र + नाभि) f. Nabe eines Rades SUÇR. 1, 354, 7.

चक्रनामन् (चक्र + नामन्) m. eine best. mineralische Substanz (मालि-  
क) H. 1034.

चक्रनायक (चक्र + ना) m. 1) Führer einer Schaar RĪĠA-TAR. 2, 106.  
— 2) ein best. Parfum, = चक्रनख RĪĠA. im ÇKDr.

चक्रनितम्ब (चक्र + नि) = चक्रणितम्ब gaṇa गिरिनद्यादि zu P. 8, 4,  
10, Vārtt.

चक्रनेमि (चक्र + नेमि) f. N. pr. einer der Mütter im Gefolge des  
Skanda MBh. 9, 2623.

चक्रपद्माट (चक्र + प) m. = चक्रमर्द ÇABDAR. im ÇKDr.

चक्रपरिव्याध (चक्र + प) m. Cathartocarpus fistula (s. आरुग्बध)  
VAIDJ. im ÇKDr.

चक्रपर्णी (चक्र + पर्ण) f. = चक्रकुल्या ÇABDAR. im ÇKDr.

चक्रपाणि (चक्र + पाणि) m. 1) Beiname Vishṇu's oder Kṛṣṇa's  
(einen Discus in der Hand haltend) AK. 1, 1, 15. H. 219, Sch. SHAPV.  
Ba. 3, 10. MBh. 6, 1900. °पाणिन् HARIV. 8193. 8376. — 2) N. pr. eines  
Autors Verz. d. B. H. No. 933.

चक्रपाणिदत्त (चक्र + दत्त) m. N. pr. eines Autors, s. u. चन्द्रादय.

चक्रपाणिन् s. u. चक्रपाणि.

चक्रपात (चक्र + पात) m. ein best. Metrum, = चक्र COLEBR. Misc.  
Ess. II, 161 (IX, 17).

चक्रपाद (चक्र + पाद) m. 1) Wagen (Räder zu Füßen habend). — 2)  
Elephant (radförmige Füße habend) ĀGAṆĀLA im ÇKDr.

चक्रपाल (चक्र + पाल) m. 1) superintendent of a province. — 2) one  
who carries a discus (?). — 3) a circle. — 4) the horizon WILS. — Vgl.

चक्रवाल, चक्रगोसुर, चक्ररत्न.

चक्रगुर (चक्र + गुर) n. N. pr. einer von Kakramardikā erbauten  
Stadt RĪĠA-TAR. 4, 213.

चक्रपुष्करिणी (चक्र + पु) f. N. pr. eines geheiligten Teiches in Kāçī  
(Benares) KĀÇIKHANḌA im ÇKDr. — Vgl. चक्रतार्य, मणिकर्णिका.

चक्रफल (चक्र + फल) n. eine best. scheibenartige Waffe TRIK. 2, 8, 53.

चक्रवान्धव (चक्र + वा) m. der Freund der Anas Casarca Gm., die  
Sonne (weil sie die in der Nacht von einander getrennten Pärchen  
wieder vereinigt; vgl. चक्रभेदिनी) H. 96.

चक्रवाल und °वाल 1) Reif, Ring: किरिटहाराद्दचक्रवालैर्विभूषि-  
ताङ्गाः MBh. 1, 7021. 7024. Vgl. वाली, वालक. — 2) m. N. eines mythischen  
Gebirges, welches wie eine Mauer die als Scheibe gedachte Erde umgiebt  
(die als Berge erscheinenden Wolken am Horizont), AK. 2, 3, 2. H. 1031.  
an. 4, 71. MED. I. 153. Lot. de la b. I. 842. fgg. 148. 216. 630. 832. LALIT.  
143. 267. 302. 317. Vgl. मङ्गचक्रवाल. — 3) n. Kreis (Horizont), = म-  
ण्डल AK. 1, 1, 2, 7. MED. COLEBR. Alg. 175. Kreislauf: किंवा गृहं सं-  
तिचक्रवालम् BHĀG. P. 5, 18, 14. BURNOLF: ce théâtre de la transmigra-  
tion. — 4) n. Kreis, Gruppe, Menge H. 1411. H. an. एवं स कृष्णो गोपी-  
नां चक्रवालैरलंकृतः HARIV. 4098. कैरव° eine Gruppe von Wasserlilien  
BHAKT. 2, 65. विपुलश्चक्रवालः (also auch m.) कचानाम् VARĀH. BH. S.  
76, 9. — Nach einem singhalesischen Commentator (s. Lot. de la b. I.  
843) ist für die 2te Bed. चक्रवाट (चक्र + वाट) die ursprüngliche Form;  
vgl. dieses und चक्रवाट.

चक्रवालधि (चक्र + वा) m. Hund H. 1278. — Vgl. चक्रवालधि.

चक्रवानु (चक्र + भानु) m. N. pr. eines Brahmanen RĪĠA-TAR. 6, 108.

चक्रभू (चक्र + भू) m. Discusträger. Bein. Vishṇu's H. 219. RĪĠA-  
TAR. 1, 38.

चक्रभेदिनी (चक्र + भे) f. Nacht (die Pärchen der Anas Casarca Gm.  
von einander trennend; vgl. चक्रवान्धव) TRIK. 1, 1, 104. H. c. 17.

चक्रमठ (चक्र + मठ) m. N. pr. eines kreisrunden von KAKRAVARMAN  
erbauten Collegiums RĪĠA-TAR. 3, 403.

चक्रमण्डलिन् (चक्र + मण्डल) m. Boa constrictor H. 1305.

चक्रमन्द (चक्र + मन्द) m. N. pr. eines Nāga MBh. 16, 120.

चक्रमर्द (चक्र + मर्द) m. N. eines Strauchs, Cassia Tora: Lin. RĪĠA.  
im ÇKDr. SUÇR. 2, 66, 7. Vgl. चक्र 13. und चक्रतैल, wo चक्र viell. nur  
eine Abkürzung von चक्रमर्द ist. चक्र wird durch तगरपुष्प erklärt und  
im Tamil und Telinga hat die Cassia Tora einen mit Tagara zusam-  
mengesetzten Namen, woher dieselbe bei einigen Botanikern auch den  
Namen Cassia Tagara führt.

चक्रमर्दक 1) m. dass. AK. 2, 4, 5, 12. H. 1158. — 2) f. °मर्दिका N. pr.  
einer Gemahlin Lalitāditja's RĪĠA-TAR. 4, 213. 393.

चक्रमासत्रं (चक्रम्, acc. von चक्र, + आसत्र) adj. das Rad hemmend  
RV. 5, 34, 6.

चक्रमुख (चक्र + मुख) m. Eber HAR. 82. — Vgl. चक्ररुद.

चक्रमुषल (चक्र + मुषल) adj. mit dem Discus und der Keule ausge-  
führt: संग्रामः HARIV. 5346; vgl. चाक्रं मोषलमित्येवं संग्रामम् 3648.

चक्रमेलक (चक्र + मे) N. pr. eines Ortes in Kaçmīra RĪĠA-TAR.  
6, 108.

चक्रमौलि (चक्र + मौलि) m. N. pr. eines Rākshasa R. 6, 69, 14.